ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

■ एसडी कॉलेज में क्रेस्ट और ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के सहयोग से आयोजित हुआ कार्यक्रम

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी (क्रेस्ट) और ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के सहयोग से चंडीगढ़ में पहली बार सोमवार को ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित हुआ। कॉलेज की एनएसएस इकाई ,चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, हरियाणा राज्य शाखा के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इस पहल का उद्देश्य सड़क सुरक्षा, पर्यावरण-अनुकूल परिवहन, कानून व्यवस्था और ऑटो-रिक्शा चालकों को व्यवहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान ट्रैफिक नियमों, प्रदूषण नियंत्रण, प्राथमिक उपचार, आपातकालीन प्रतिक्रिया और व्यावसायिक आचरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा को बढ़ावा देना था। इस दौरान ऑटो-रिक्शा चालकों को बताया गया कि इससे ईंधन खर्च कम तो होता ही है, साथ ही प्रदूषण भी घटता है। इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा से वे सरकारी प्रोत्साहन का लाभ लेकर पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इस प्रकार, चंडीगढ़ को एक स्वच्छ और सतत सार्वजनिक परिवहन वाले मॉडल शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में यह एक ठोस कदम है। कार्यक्रम के पहले चरण में शहरभर में 10 प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से 1,000 ऑटो-रिक्शा चालकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि ऑटो चालकों को क्लीन एनर्जी और जीवन रक्षक कौशलों के बारे में जागरूक करना न केवल उनके व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि पूरे समाज के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से ड्राइवरों और युवाओं को अधिक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद मिलती है।

ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के डॉयरेक्टर रोहित कुमार ने कहा कि यह पहल युवाओं को सशक्त करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि ऑटो चालक सिर्फ वाहन चलाने तक सीमित न रहें, बल्कि जिम्मेदार नागरिक बनें और हरित परिवहन को अपनाएं। उन्होंने कहा कि इस पहल से न केवल रोजगार के अवसर मिलेंगे, बल्कि ऑटो चालकों में सुरक्षा और पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी फैलेगी।

कॉलेज की एनएसएस प्रोग्राम आफिसर डॉ. ज्योति कटारिया ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष भूमिका निभाई और छात्रों को इसमें सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के इंस्पेक्टर परवेश शर्मा ने कहा कि अगर हम सभी ईमानदारी से ट्रैफिक नियमों का पालन करें, तो सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने वाहन चालकों को हमेशा हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट का इस्तेमाल करने, गाड़ी चलाते समय फोन का इस्तेमाल न करने और गति सीमा के भीतर गाड़ी चलाने की सलाह दी।

इस अवसर पर एक और सराहनीय पहल करते हुए, क्रेस्ट द्वारा प्रत्येक ऑटो-रिक्शा चालक को एक-एक फर्स्ट एड बॉक्स (प्राथमिक चिकित्सा किट) भी वितरित किया गया, ताकि वे आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्रदान कर सकें और सड़क सुरक्षा को और मजबूत किया जा सके। इस कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित रहे, जिनमें रोहित शर्मा (राज्य कार्यक्रम समन्वयक, युवा शाखा, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, हरियाणा), प्रभु नाथ शाही (संस्थापक, जय मधुसूदन जय श्रीकृष्ण फाउंडेशन), कनिका मोंगा (प्रोजेक्ट मैनेजर, ईवी एक्जीक्यूशन, क्रेस्ट) शामिल रहे। यह कार्यक्रम शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और युवा संगठनों की साझेदारी के माध्यम से चंडीगढ़ को एक स्वच्छ, सुरक्षित और जागरूक शहर बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायक प्रयास था।

ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

चंडीगढ़, 21 जुलाई (विशेष संवाददाता): चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टैक्नोलॉजी प्रमोशन सोसायटी (क्रेस्ट) और ग्लोबल यूथ फैडरेशन, इंडिया के सहयोग से चंडीगढ़ में पहली बार सोमवार को ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरुकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित हुआ। कॉलेज की एनएसएस इकाई, चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस और इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, हरियाणा राज्य शाखा के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इस पहल का उद्देश्य सड़क सुरक्षा, पर्यावरण-अनुकूल परिवहन, कानून व्यवस्था और ऑटो-रिक्शा चालकों को व्यवहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान ट्रैफिक नियमों, प्रदूषण नियंत्रण, प्राथमिक उपचार, आपातकालीन प्रतिक्रिया और व्यावसायिक आचरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा को बढ़ावा देना था। इस दौरान ऑटो-रिक्शा चालकों को बताया गया कि इससे ईंधन खर्च कम तो होता ही है, साथ ही प्रदूषण भी घटता है। इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा से वे सरकारी प्रोत्साहन का लाभ लेकर पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इस प्रकार, चंडीगढ़ को एक स्वच्छ और सतत सार्वजनिक परिवहन वाले मॉडल शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में यह एक ठोस कदम है।

कार्यक्रम के पहले चरण में शहरभर में 10 प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से 1,000 ऑटो-रिक्शा चालकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर मुख्यातिथि जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि ऑटो चालकों को क्लीन एनर्जी और जीवन रक्षक कौशलों के बारे में जागरूक करना न केवल उनके व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि पूरे समाज के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से ड्राइवरों और युवाओं को अधिक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद मिलती है।

ग्लोबल यूथ फैडरेशन, इंडिया के डायरैक्टर रोहित कुमार ने कहा कि यह पहल युवाओं को सशक्त करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि ऑटो चालक सिर्फ वाहन चलाने तक सीमित न रहें, बल्कि जिम्मेदार नागरिक बनें और हरित परिवहन को अपनाएं। उन्होंने कहा कि इस पहल से न केवल रोजगार के अवसर मिलेंगे, बल्कि ऑटो चालकों में सुरक्षा और पर्यावरण के प्रति जागरुकता भी फैलेगी।

कॉलेज की एनएसएस प्रोग्राम आफिसर डॉ. ज्योति कटारिया ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष भूमिका निभाई और छात्रों को इसमें सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के इंस्पैक्टर परवेश शर्मा ने कहा कि अगर हम सभी ईमानदारी से ट्रैफिक नियमों का पालन करें, तो सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने वाहन चालकों को हमेशा हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट का इस्तेमाल करने, गाड़ी चलाते समय फोन का इस्तेमाल न करने और गति सीमा के भीतर गाड़ी चलाने की सलाह दी।

इस अवसर पर एक और सराहनीय पहल करते हुए, क्रेस्ट द्वारा प्रत्येक ऑटो-रिक्शा चालक को एक-एक फर्स्ट एड बॉक्स (प्राथमिक चिकित्सा किट) भी वितरित किया गया, ताकि वे आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्रदान कर सकें और सड़क सुरक्षा को और मजबूत किया जा सके। इस कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित रहे, जिनमें रोहित शर्मा (राज्य कार्यक्रम समन्वयक, युवा शाखा, इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, हरियाणा), प्रभु नाथ शाही (संस्थापक, जय मधुसूदन जय श्रीकृष्ण फाउंडेशन), कनिका मोंगा (प्रोजैक्ट मैनेजर, ईवी एक्जीक्यूशन, क्रेस्ट) शामिल रहे। यह कार्यक्रम शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और युवा संगठनों की साझेदारी के माध्यम से चंडीगढ़ को एक स्वच्छ, सुरक्षित और जागरूक शहर बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायक प्रयास था।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अखबार
22-Jul-2025
Page: 6
http://www.ajitsamachar.com/20250722/20/6/1_1.cms

Amar Ujala 22-7-25

क्लीन एनर्जी पर ऑटो-रिक्शा चालकों को किया जागरूक

ऑटो-रिक्शा चालकों को जानकारी देते विशेषज्ञ। संवाद

चंडीगढ़। चंडीगढ़ रिन्युएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी (क्रेस्ट) और ग्लोबल यूथ फेडरेशन के सहयोग से चंडीगढ़ में जागरूकता और प्रशिक्षण 'कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेक्टर-32 स्थित एसडी कॉलेज में हुआ। इसमें ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं को ट्रैफिक नियमों, प्रदूषण नियंत्रण, प्राथमिक उपचार और आपातकालीन इलाज की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के पहले चरण में शहरभर में 10 प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से 1,000 ऑटो-रिक्शा चालकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्य अतिथि कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा रहे। संवाद

Arth Parkash 22-7-25

ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

एसडी कॉलेज में क्रेस्ट और ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के सहयोग से आयोजित हुआ कार्यक्रम

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी (क्रेस्ट) और ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के सहयोग से चंडीगढ़ में पहली बार सोमवार को ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित हुआ। कॉलेज की एनएसएस इकाई, चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, हरियाणा राज्य शाखा के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इस पहल का उद्देश्य सड़क सुरक्षा, पर्यावरण-अनुकूल परिवहन, कानून व्यवस्था और ऑटो-रिक्शा चालकों को व्यवहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान ट्रैफिक नियमों, प्रदूषण नियंत्रण, प्राथमिक उपचार, आपातकालीन प्रतिक्रिया और व्यावसायिक आचरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा को बढ़ावा देना था। इस दौरान ऑटो-रिक्शा चालकों को बताया गया कि इससे ईंधन खर्च कम तो होता ही है, साथ ही प्रदूषण भी घटता है। इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा से वे सरकारी प्रोत्साहन का लाभ लेकर पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इस प्रकार, चंडीगढ़ को एक स्वच्छ और सतत सार्वजनिक परिवहन वाले मॉडल शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में यह एक ठोस कदम है।

कार्यक्रम के पहले चरण में शहरभर में 10 प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से 1,000 ऑटो-रिक्शा चालकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि ऑटो चालकों को क्लीन एनर्जी और जीवन रक्षक कौशलों के बारे में जागरूक करना न केवल उनके व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि पूरे समाज के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से ड्राइवरों और युवाओं को अधिक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद मिलती है।

आयोजन | एसडी कॉलेज में क्रेस्ट और ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के सहयोग से आयोजित हुआ कार्यक्रम

क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

वैभव न्यूज • चंडीगढ़

चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी (क्रेस्ट) और ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के सहयोग से चंडीगढ़ में पहली बार सोमवार को ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित हुआ। कॉलेज की एनएसएस इकाई ,चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, हरियाणा राज्य शाखा के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस पहल का उद्देश्य सड़क सुरक्षा, पर्यावरण-अनुकूल परिवहन, कानून व्यवस्था और ऑटो-रिक्शा चालकों को व्यवहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान ट्रैफिक नियमों, प्रदूषण नियंत्रण, प्राथमिक उपचार, आपातकालीन प्रतिक्रिया और व्यावसायिक आचरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा को बढ़ावा देना था। इस दौरान ऑटो-रिक्शा चालकों को बताया गया कि इससे ईंधन खर्च कम तो होता ही है, साथ ही प्रदूषण भी घटता है। इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा से वे सरकारी प्रोत्साहन का लाभ लेकर पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इस प्रकार, चंडीगढ़ को एक स्वच्छ और सतत सार्वजनिक परिवहन वाले मॉडल शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में यह एक ठोस कदम है। कार्यक्रम के पहले चरण में शहरभर में 10 प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से 1,000 ऑटो-रिक्शा चालकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि ऑटो चालकों को क्लीन एनर्जी और जीवन रक्षक कौशलों के बारे में जागरूक करना न केवल उनके व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि पूरे समाज के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से ड्राइवरों और युवाओं को अधिक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद मिलती है। ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के डॉयरेक्टर रोहित कुमार ने कहा कि यह पहल युवाओं को सशक्त करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि ऑटो चालक सिर्फ वाहन चलाने तक सीमित न रहें।

Chandigarh Bhaskar 22-7-25

न्यूज ब्रीफ

रोड सेफ्टी पर ड्राइवर्स को ट्रेनिंग दी

चंडीगढ़। जीजीडीएसडी कॉलेज, सेक्टर 32 में ऑटो चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इसे चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी (क्रेस्ट) ने ग्लोबल यूथ फेडरेशन इंडिया के साथ मिलकर आयोजित किया। कार्यक्रम का मकसद पर्यावरण अनुकूल ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देना, ट्रैफिक नियमों की जानकारी देना, फर्स्ट एड सिखाना और जिम्मेदार ड्राइविंग को प्रोत्साहित करना था। साथ ही इलेक्ट्रिक ऑटो अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा चीफ गेस्ट रहे।

Dainik Jagran 22-7-25

क्लीन एनर्जी व रोड सेफ्टी पर किया जागरूक

क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया • स्वतः

जासं, चंडीगढ़ : रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलाजी प्रमोशन सोसाइटी (क्रेस्ट) और ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के सहयोग से पहली बार सोमवार को आटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज में हुआ। कालेज की एनएसएस इकाई, चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस और इंडियन रेड क्रास सोसाइटी, हरियाणा राज्य शाखा के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। उद्देश्य सड़क सुरक्षा, पर्यावरण-अनुकूल परिवहन, कानून व्यवस्था और आटो-रिक्शा चालकों को व्यावहारिक प्रशिक्षण से सशक्त बनाना था।

Dainik Savera Times 22-7-25

ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरूकता कार्यक्रम करवाया

एसडी कॉलेज में क्रैस्ट और ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के सहयोग से आयोजित हुआ कार्यक्रम

सवेरा न्यूज/नीना

चंडीगढ़, 21 जुलाई : चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टैक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी (क्रेस्ट) और ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के सहयोग से चंडीगढ़ में पहली बार सोमवार को ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेक्टर-32 के जीजीडीएसडी कॉलेज में आयोजित हुआ। कॉलेज की एनएसएस इकाई ,चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, हरियाणा राज्य शाखा के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस पहल का उद्देश्य सड़क सुरक्षा, पर्यावरण-अनुकूल परिवहन, कानून व्यवस्था और ऑटो-रिक्शा चालकों को व्यवहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाना था। इस दौरान ऑटो-रिक्शा चालकों को बताया गया कि इससे ईंधन खर्च कम तो होता ही है, साथ ही प्रदूषण भी घटता है। इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा से वे सरकारी प्रोत्साहन का लाभ लेकर पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इस प्रकार, चंडीगढ़ को एक स्वच्छ और सतत सार्वजनिक परिवहन वाले मॉडल शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में यह एक ठोस कदम है।

समारोह में उपस्थित गेस्ट।

कार्यक्रम के पहले चरण में शहरभर में 10 प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से 1,000 ऑटो-रिक्शा चालकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि ऑटो चालकों को क्लीन एनर्जी और जीवन रक्षक कौशलों के बारे में जागरूक करना न केवल उनके व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि पूरे समाज के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा। ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के डॉयरेक्टर रोहित कुमार ने कहा कि यह पहल युवाओं को सशक्त करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

कॉलेज की एनएसएस प्रोग्राम आफिसर डॉ. ज्योति कटारिया ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष भूमिका निभाई और छात्रों को इसमें सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के इंस्पेक्टर परवेश शर्मा ने कहा कि अगर हम सभी ईमानदारी से ट्रैफिक नियमों का पालन करें, तो सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इस अवसर पर एक और सराहनीय पहल करते हुए, क्रेस्ट द्वारा प्रत्येक ऑटो-रिक्शा चालक को एक-एक फर्स्ट एड बॉक्स (प्राथमिक चिकित्सा किट) भी वितरित किया गया, ताकि वे आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्रदान कर सकें और सड़क सुरक्षा को और मजबूत किया जा सके। इस कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित रहे, जिनमें रोहित शर्मा (राज्य कार्यक्रम समन्वयक, युवा शाखा, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, हरियाणा), प्रभु नाथ शाही (संस्थापक, जय मधुसूदन जय श्रीकृष्ण फाउंडेशन), कनिका मोंगा (प्रोजेक्ट मैनेजर, ईवी एक्जीक्यूशन, क्रेस्ट) शामिल रहे। यह कार्यक्रम शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और युवा संगठनों की साझेदारी के माध्यम से चंडीगढ़ को एक स्वच्छ, सुरक्षित और जागरूक शहर बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायक प्रयास था।

ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

एसडी कॉलेज में क्रेस्ट और ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के सहयोग से आयोजित हुआ कार्यक्रम

डेमोक्रेटिक फ्रंट चंडीगढ़। चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी (क्रेस्ट) और ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के सहयोग से चंडीगढ़ में पहली बार सोमवार को ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित हुआ। कॉलेज की एनएसएस इकाई ,चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, हरियाणा राज्य शाखा के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस पहल का उद्देश्य सड़क सुरक्षा, पर्यावरण-अनुकूल परिवहन, कानून व्यवस्था और ऑटो-रिक्शा चालकों को व्यवहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान ट्रैफिक नियमों, प्रदूषण नियंत्रण, प्राथमिक उपचार, आपातकालीन प्रतिक्रिया और व्यावसायिक आचरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा को बढ़ावा देना था।

इस दौरान ऑटो-रिक्शा चालकों को बताया गया कि इससे ईंधन खर्च कम तो होता ही है, साथ ही प्रदूषण भी घटता है। इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा से वे सरकारी प्रोत्साहन का लाभ लेकर पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इस प्रकार, चंडीगढ़ को एक स्वच्छ और सतत सार्वजनिक परिवहन वाले मॉडल शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में यह एक ठोस कदम है। कार्यक्रम के पहले चरण में शहरभर में 10 प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से 1,000 ऑटो-रिक्शा चालकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि ऑटो चालकों को क्लीन एनर्जी और जीवन रक्षक कौशलों के बारे में जागरूक करना न केवल उनके व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि पूरे समाज के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से ड्राइवरों और युवाओं को अधिक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद मिलती है। ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के डॉयरेक्टर रोहित कुमार ने कहा कि यह पहल युवाओं को सशक्त करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि ऑटो चालक सिर्फ वाहन चलाने तक सीमित न रहें, बल्कि जिम्मेदार नागरिक बनें और हरित परिवहन को अपनाएं। उन्होंने कहा कि इस पहल से न केवल रोजगार के अवसर मिलेंगे, बल्कि ऑटो चालकों में सुरक्षा और पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी फैलेगी। कॉलेज की एनएसएस प्रोग्राम आफिसर डॉ. ज्योति कटारिया ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष भूमिका निभाई और छात्रों को इसमें सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के इंस्पेक्टर परवेश शर्मा ने कहा कि अगर हम सभी ईमानदारी से ट्रैफिक नियमों का पालन करें, तो सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने वाहन चालकों को हमेशा हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट का इस्तेमाल करने, गाड़ी चलाते समय फोन का इस्तेमाल न करने और गति सीमा के भीतर गाड़ी चलाने की सलाह दी। इस अवसर पर एक और सराहनीय पहल करते हुए, क्रेस्ट द्वारा प्रत्येक ऑटो-रिक्शा चालक को एक-एक फर्स्ट एड बॉक्स (प्राथमिक चिकित्सा किट) भी वितरित किया गया, ताकि वे आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्रदान कर सकें और सड़क सुरक्षा को और मजबूत किया जा सके। कई विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित रहे, जिनमें रोहित शर्मा (राज्य कार्यक्रम समन्वयक, युवा शाखा, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, हरियाणा), प्रभु नाथ शाही (संस्थापक, जय मधुसूदन जय श्रीकृष्ण फाउंडेशन), कनिका मोंगा (प्रोजेक्ट मैनेजर, ईवी एक्जीक्यूशन, क्रेस्ट) शामिल रहे। यह कार्यक्रम शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और युवा संगठनों की साझेदारी के माध्यम से चंडीगढ़ को एक स्वच्छ, सुरक्षित और जागरूक शहर बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायक प्रयास था।

Divya Himachal 22-7-25

गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज में क्लीन एनर्जी एंड रोड सेफ्टी ट्रेनिंग प्रोग्राम

प्रदूषण कम करने में इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा कारगर

मुकेश संगर- चंडीगढ़

चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसायटी क्रस्ट और ग्लोबल यूथ फेडरेशन इंडिया के सहयोग से चंडीगढ़ में पहली बार सोमवार को ऑटो रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित हुआ। कॉलेज की एनएसएस इकाई एचंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस और इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा राज्य शाखा के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस पहल का उद्देश्य सड़क सुरक्षा पर्यावरण अनुकूल परिवहन कानून व्यवस्था और ऑटो रिक्शा चालकों को व्यवहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान ट्रैफिक नियमों, प्रदूषण नियंत्रण, प्राथमिक उपचार आपातकालीन प्रतिक्रिया और व्यावसायिक आचरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा को बढ़ावा देना था। इस

दौरान ऑटो रिक्शा चालकों को बताया गया कि इससे ईंधन खर्च कम तो होता ही है, साथ ही प्रदूषण भी घटता है। इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा से वे सरकारी प्रोत्साहन का लाभ लेकर पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इस प्रकारए चंडीगढ़ को एक स्वच्छ और सतत सार्वजनिक परिवहन वाले मॉडल शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में यह एक ठोस कदम है। कार्यक्रम के पहले चरण में शहरभर में 10 प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से 1000 ऑटो रिक्शा चालकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर मुख्यातिथि जीजीडीएसडी कालेज के प्रिंसीपल डा. अजय शर्मा ने कहा कि ऑटो चालकों को क्लीन एनर्जी और जीवन रक्षक कौशलों के बारे में जागरूक करना न केवल उनके व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है।

एसडी कॉलेज में क्रेस्ट और ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के सहयोग से आयोजित हुआ कार्यक्रम

फास्ट मीडिया/चंडीगढ़/अमूल्या

चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी (क्रेस्ट) और ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के सहयोग से चंडीगढ़ में पहली बार सोमवार को ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित हुआ। कॉलेज की एनएसएस इकाई ,चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, हरियाणा राज्य शाखा के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस पहल का उद्देश्य सड़क सुरक्षा, पर्यावरण-अनुकूल परिवहन, कानून व्यवस्था और ऑटो-रिक्शा चालकों को व्यवहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान ट्रैफिक नियमों, प्रदूषण नियंत्रण, प्राथमिक उपचार, आपातकालीन प्रतिक्रिया और व्यावसायिक आचरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा को बढ़ावा देना था। इस दौरान ऑटो-रिक्शा चालकों को बताया गया कि इससे ईंधन खर्च कम तो होता ही है, साथ ही प्रदूषण भी घटता है। इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा से वे सरकारी प्रोत्साहन का लाभ लेकर पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इस प्रकार, चंडीगढ़ को एक स्वच्छ और सतत सार्वजनिक परिवहन वाले मॉडल शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में यह एक ठोस कदम है। कार्यक्रम के पहले चरण में शहरभर में 10

प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से 1,000 ऑटो-रिक्शा चालकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि ऑटो चालकों को क्लीन एनर्जी और जीवन रक्षक कौशलों के बारे में जागरूक करना न केवल उनके व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि पूरे समाज के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से ड्राइवरों और युवाओं को अधिक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद मिलती है। ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के डॉयरेक्टर रोहित कुमार ने कहा कि यह पहल युवाओं को सशक्त करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि ऑटो चालक सिर्फ वाहन चलाने तक सीमित न रहें, बल्कि जिम्मेदार नागरिक बनें और हरित परिवहन को अपनाएं। उन्होंने कहा कि इस पहल से न केवल रोजगार के अवसर मिलेंगे, बल्कि ऑटो चालकों में सुरक्षा और पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी फैलेगी। कॉलेज की एनएसएस प्रोग्राम आफिसर डॉ. ज्योति कटारिया ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष भूमिका निभाई और छात्रों को इसमें सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के इंस्पेक्टर परवेश शर्मा ने कहा कि अगर हम सभी ईमानदारी से ट्रैफिक नियमों का पालन करें, तो सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने वाहन चालकों को हमेशा हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट का इस्तेमाल करने, गाड़ी चलाते समय फोन का इस्तेमाल न करने और गति सीमा के भीतर गाड़ी चलाने की सलाह दी। इस अवसर पर एक और सराहनीय पहल करते हुए, क्रेस्ट द्वारा प्रत्येक ऑटो-रिक्शा चालक को एक-एक फर्स्ट एड बॉक्स (प्राथमिक चिकित्सा किट) भी वितरित किया गया, ताकि वे आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्रदान कर सकें और सड़क सुरक्षा को और मजबूत किया जा सके।

ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

एसडी कॉलेज में क्रेस्ट और ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के सहयोग से आयोजित हुआ कार्यक्रम

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

चंडीगढ़। चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी (क्रेस्ट) और ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के सहयोग से चंडीगढ़ में पहली बार सोमवार को ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित हुआ। कॉलेज की एनएसएस इकाई ,चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, हरियाणा राज्य शाखा के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इस पहल का उद्देश्य सड़क सुरक्षा, पर्यावरण-अनुकूल परिवहन, कानून व्यवस्था और ऑटो-रिक्शा चालकों को व्यवहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान ट्रैफिक नियमों, प्रदूषण नियंत्रण, प्राथमिक उपचार, आपातकालीन प्रतिक्रिया और व्यावसायिक आचरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा को बढ़ावा देना था।

इस दौरान ऑटो-रिक्शा चालकों को बताया गया कि इससे ईंधन खर्च कम तो होता ही है, साथ ही प्रदूषण भी घटता है। इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा से वे सरकारी प्रोत्साहन का लाभ लेकर पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इस प्रकार, चंडीगढ़ को एक स्वच्छ और सतत सार्वजनिक परिवहन वाले मॉडल शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में यह एक ठोस कदम है।

कार्यक्रम के पहले चरण में शहरभर में 10 प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से 1,000 ऑटो-रिक्शा चालकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि ऑटो चालकों को क्लीन एनर्जी और जीवन रक्षक कौशलों के बारे में जागरूक करना न केवल उनके व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि पूरे समाज के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से ड्राइवरों और युवाओं को अधिक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद मिलती है।

ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के डॉयरेक्टर रोहित कुमार ने कहा कि यह पहल युवाओं को सशक्त करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि ऑटो चालक सिर्फ वाहन चलाने

क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

➪ एसडी कॉलेज में क्रेस्ट और ग्लोबल यूथ फेडरेशन के सहयोग से आयोजित हुआ कार्यक्रम

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी (क्रेस्ट) और ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के सहयोग से पहली बार ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित हुआ। कॉलेज की एनएसएस इकाई ,चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, हरियाणा राज्य शाखा के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित हुआ।

ऑटो चालकों को क्लीन एनर्जी के लिए जागरूक करना समाज के लिए लाभकारी: अजय शर्मा

इस पहल का उद्देश्य सड़क सुरक्षा, पर्यावरण-अनुकूल परिवहन, कानून व्यवस्था और ऑटो-रिक्शा चालकों को व्यवहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाना था। कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा को बढ़ावा देना था। इस दौरान ऑटो-रिक्शा चालकों को बताया गया कि इससे ईंधन खर्च कम तो होता ही है, साथ ही प्रदूषण भी घटता है। कार्यक्रम के पहले चरण में शहरभर में 10 प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से 1,000 ऑटो-रिक्शा चालकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि ऑटो चालकों को क्लीन एनर्जी और जीवन रक्षक कौशलों के बारे में जागरूक करना न केवल उनके व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि पूरे समाज के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से ड्राइवरों और युवाओं को अधिक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद मिलती है। ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के डॉयरेक्टर रोहित कुमार ने कहा कि यह पहल युवाओं को सशक्त करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। कॉलेज की एनएसएस प्रोग्राम आफिसर डॉ. ज्योति कटारिया ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष भूमिका निभाई और छात्रों को इसमें सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के इंस्पेक्टर परवेश शर्मा ने कहा कि अगर हम सभी ईमानदारी से ट्रैफिक नियमों का पालन करें, तो सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इस अवसर पर एक और सराहनीय पहल करते हुए, क्रेस्ट द्वारा प्रत्येक ऑटो-रिक्शा चालक को एक-एक फर्स्ट एड बॉक्स (प्राथमिक चिकित्सा किट) भी वितरित किया गया। इस कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित रहे, जिनमें रोहित शर्मा, प्रभु नाथ शाही, कनिका मोंगा शामिल रहे।

ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

एसडी कॉलेज में क्रेस्ट और ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के सहयोग से आयोजित हुआ कार्यक्रम

» **मदरलैंड संवाददाता**

चंडीगढ़। चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी (क्रेस्ट) और ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के सहयोग से चंडीगढ़ में पहली बार सोमवार को ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित हुआ। कॉलेज की एनएसएस इकाई ,चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, हरियाणा राज्य शाखा के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इस पहल का उद्देश्य सड़क सुरक्षा, पर्यावरण-अनुकूल परिवहन, कानून व्यवस्था और ऑटो-रिक्शा चालकों को व्यवहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान ट्रैफिक नियमों, प्रदूषण नियंत्रण, प्राथमिक उपचार, आपातकालीन प्रतिक्रिया और व्यावसायिक आचरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा को बढ़ावा देना था। इस दौरान ऑटो-रिक्शा चालकों को बताया गया कि इससे ईंधन खर्च कम तो होता ही है, साथ ही प्रदूषण भी घटता है। इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा से वे सरकारी प्रोत्साहन का लाभ लेकर पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इस प्रकार, चंडीगढ़ को एक स्वच्छ और सतत सार्वजनिक परिवहन वाले मॉडल शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में यह एक ठोस कदम है।

कार्यक्रम के पहले चरण में शहरभर में 10 प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से 1,000 ऑटो-रिक्शा चालकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि ऑटो चालकों को क्लीन एनर्जी और जीवन रक्षक कौशलों के बारे में जागरूक करना न केवल उनके व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि पूरे समाज के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से ड्राइवरों और युवाओं को अधिक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद मिलती है।

ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के डॉयरेक्टर रोहित कुमार ने कहा कि यह पहल युवाओं को सशक्त करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि ऑटो चालक सिर्फ वाहन चलाने तक सीमित न रहें, बल्कि जिम्मेदार नागरिक बनें और हरित परिवहन को अपनाएं। उन्होंने कहा कि इस पहल से न केवल रोजगार के अवसर मिलेंगे, बल्कि ऑटो चालकों में सुरक्षा और पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी फैलेगी।

कॉलेज की एनएसएस प्रोग्राम आफिसर डॉ. ज्योति कटारिया ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष भूमिका निभाई और छात्रों को इसमें सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के इंस्पेक्टर परवेश शर्मा ने कहा कि अगर हम सभी ईमानदारी से ट्रैफिक नियमों का पालन करें, तो सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने वाहन चालकों को हमेशा हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट का इस्तेमाल करने, गाड़ी चलाते समय फोन का इस्तेमाल न करने और गति सीमा के भीतर गाड़ी चलाने की सलाह दी।

इस अवसर पर एक और सराहनीय पहल करते हुए, क्रेस्ट द्वारा प्रत्येक ऑटो-रिक्शा चालक को एक-एक फर्स्ट एड बॉक्स (प्राथमिक चिकित्सा किट) भी वितरित किया गया, ताकि वे आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्रदान कर सकें और सड़क सुरक्षा को और मजबूत किया जा सके। इस कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित रहे, जिनमें रोहित शर्मा (राज्य कार्यक्रम समन्वयक, युवा शाखा, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, हरियाणा), प्रभु नाथ शाही (संस्थापक, जय मधुसूदन जय श्रीकृष्ण फाउंडेशन), कनिका मोंगा (प्रोजेक्ट मैनेजर, ईवी एक्जीक्यूशन, क्रेस्ट) शामिल रहे। यह कार्यक्रम शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और युवा संगठनों की साझेदारी के माध्यम से चंडीगढ़ को एक स्वच्छ, सुरक्षित और जागरूक शहर बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायक प्रयास था।

Punjab Kesari 22.7.25

'वाहन चलाने तक सीमित न रहें ऑटो चालक, जिम्मेदार नागरिक बनें और हरित परिवहन को अपनाएं'

सैक्टर-32 गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में ऑटो-रिक्शा चालकों के लिए विशेष स्वच्छ ऊर्जा जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

चंडीगढ़, 21 जुलाई (आशीष): सैक्टर-32 गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में चंडीगढ़ नवीकरणीय ऊर्जा एवं विज्ञान और प्रौद्योगिकी संवर्धन सोसायटी और ग्लोबल यूथ फैडरेशन इंडिया के सहयोग से ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए विशेष स्वच्छ ऊर्जा जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कॉलेज की एन.एस.एस. इकाई संस्थागत भागीदार रही। कार्यक्रम में चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, हरियाणा राज्य शाखा ने ज्ञान भागीदार के रूप में सहयोग किया।

इस पहल का उद्देश्य सड़क सुरक्षा, पर्यावरण-अनुकूल परिवहन, कानून व्यवस्था और ऑटो-रिक्शा चालकों को व्यवहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान ट्रैफिक नियमों, प्रदूषण नियंत्रण, प्राथमिक उपचार, आपातकालीन प्रतिक्रिया और व्यावसायिक आचरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया।

कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य इलैक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा को बढ़ावा देना है, जिससे ईंधन खर्च कम हो, प्रदूषण घटे, सरकारी प्रोत्साहन का लाभ मिल सके और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डाला जा सके। इस प्रकार, चंडीगढ़ को एक स्वच्छ और सतत सार्वजनिक परिवहन वाले मॉडल शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में यह एक ठोस कदम है।

प्राचार्य डॉ. अजय शर्मा और अन्य फर्स्ट एड बॉक्स वितरित करते हुए। (राणा)

1,000 ऑटो-रिक्शा चालकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा

कार्यक्रम के पहले चरण में शहरभर में 10 प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से 1,000 ऑटो-रिक्शा चालकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि ऑटो चालकों को स्वच्छ ऊर्जा और जीवन रक्षक कौशलों के बारे में जागरूक करना न केवल उनके व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि पूरे समाज के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा। ग्लोबल यूथ फैडरेशन इंडिया के निदेशक रोहित कुमार ने कहा कि यह पहल युवाओं को सशक्त करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि ऑटो चालक सिर्फ वाहन चलाने तक सीमित न रहें, बल्कि जिम्मेदार नागरिक बनें और हरित परिवहन को अपनाएं। कॉलेज की एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ज्योति कटारिया ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष भूमिका निभाई और छात्रों को इसमें सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। चंडीगढ़ नवीकरणीय ऊर्जा एवं विज्ञान और प्रौद्योगिकी संवर्धन सोसायटी द्वारा प्रत्येक ऑटो-रिक्शा चालक को एक-एक फर्स्ट एड बॉक्स भी वितरित किया गया, ताकि वे आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्रदान कर सकें

ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

चंडीगढ़

चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी (क्रेस्ट) और ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के सहयोग से चंडीगढ़ में पहली बार सोमवार को ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित हुआ। कॉलेज की एनएसएस इकाई ,चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, हरियाणा राज्य शाखा के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इस पहल का उद्देश्य सड़क सुरक्षा, पर्यावरण-अनुकूल परिवहन, कानून व्यवस्था और ऑटो-रिक्शा चालकों को व्यवहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान ट्रैफिक नियमों, प्रदूषण नियंत्रण, प्राथमिक उपचार, आपातकालीन प्रतिक्रिया और व्यावसायिक आचरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा को बढ़ावा देना था। इस दौरान ऑटो-रिक्शा चालकों को बताया गया कि इससे ईंधन खर्च कम तो होता ही है, साथ ही प्रदूषण भी घटता है। इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा से वे सरकारी प्रोत्साहन का लाभ लेकर पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इस प्रकार, चंडीगढ़ को एक स्वच्छ और सतत सार्वजनिक परिवहन वाले मॉडल शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में यह एक ठोस कदम है। कार्यक्रम के पहले चरण में शहरभर में 10 प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से 1,000 ऑटो-रिक्शा चालकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि ऑटो चालकों को क्लीन एनर्जी और जीवन रक्षक कौशलों के बारे में जागरूक करना न केवल उनके व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि पूरे समाज के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से ड्राइवरों और युवाओं को अधिक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद मिलती है।

कॉलेज की एनएसएस प्रोग्राम आफिसर डॉ. ज्योति कटारिया ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष भूमिका निभाई और छात्रों को इसमें सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के इंस्पेक्टर परवेश शर्मा ने कहा कि अगर हम सभी ईमानदारी से ट्रैफिक नियमों का पालन करें, तो सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने वाहन चालकों को हमेशा हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट का इस्तेमाल करने, गाड़ी चलाते समय फोन का इस्तेमाल न करने और गति सीमा के भीतर गाड़ी चलाने की सलाह दी।

ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

चंडीगढ़, स्टेट समाचार। विज

चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी (क्रेस्ट) और ग्लोबल यूथ फेडरेशन, इंडिया के सहयोग से चंडीगढ़ में पहली बार ऑटो-रिक्शा चालकों, शिक्षकों और युवाओं के लिए क्लीन एनर्जी और रोड सेफ्टी पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में आयोजित हुआ। कॉलेज की एनएसएस इकाई ,चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, हरियाणा राज्य शाखा के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इस पहल का उद्देश्य सड़क सुरक्षा, पर्यावरण-अनुकूल परिवहन, कानून व्यवस्था और ऑटो-रिक्शा चालकों को व्यवहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान ट्रैफिक नियमों, प्रदूषण नियंत्रण, प्राथमिक उपचार, आपातकालीन प्रतिक्रिया और व्यावसायिक आचरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा को बढ़ावा देना था। इस दौरान ऑटो-रिक्शा चालकों को बताया गया कि इससे ईंधन खर्च कम तो होता ही है, साथ ही प्रदूषण भी घटता है। कार्यक्रम के पहले चरण में शहरभर में 10 प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से 1,000 ऑटो-रिक्शा चालकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि ऑटो चालकों को क्लीन एनर्जी और जीवन रक्षक कौशलों के बारे में जागरूक करना न केवल उनके व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि पूरे समाज के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा। कॉलेज की एनएसएस प्रोग्राम आफिसर डॉ. ज्योति कटारिया ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष भूमिका निभाई और छात्रों को इसमें सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के इंस्पेक्टर परवेश शर्मा ने कहा कि अगर हम सभी ईमानदारी से ट्रैफिक नियमों का पालन करें, तो सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

GGDSD College leads the way in clean energy & road safety awareness

A glimpses of the event.

@ The Savera Times

Network

Chandigarh: For the first time in Chandigarh, a unique awareness and training program was held for auto-rickshaw drivers, teachers, and youth focusing on clean energy and road safety. The event took place at Goswami Ganesh Dutt Sanatan Dharma College, Sector 32-C, and was jointly organized by CREST (Chandigarh Renewable Energy and Science & Technology Promotion Society) and Global Youth Federation, India, with support from the college's NSS unit. Knowledge partners included the Chandigarh Traffic Police and the Indian Red Cross Society, Haryana.

The initiative aimed to educate auto drivers in a simple, practical manner about traffic rules, pollution control, first-aid, and responsible driving. A key highlight was promoting the use of electric auto-rickshaws, emphasizing fuel savings and environmental benefits. CREST

Over 1,000 auto drivers to be trained in pollution control, traffic rules & EV benefits

also distributed first-aid kits to all drivers to assist during emergencies.

Dr. Ajay Sharma, Principal of the host college and Chief Guest, lauded the program's impact in building responsible citizenship. Mr. Rohit Kumar, Director of Global Youth Federation, emphasized that this effort not only promotes environmental awareness but also opens up employment opportunities.

Inspector Parvesh Sharma from the Traffic Police stressed the importance of wearing helmets, using seat belts, avoiding phone use while driving, and following speed limits to reduce road fatalities.

Dr. Jyoti Kataria, NSS Program Officer, played a key role in organizing and motivating student participation.